प्रारंभिक अंग्रेज़ी

# अंग्रेज़ी भाषा के वर्ण और ध्वनियाँ

भारत में विद्यालय
समर्थित शिक्षक-शिक्षा
www.TESS-India.edu.in

http://creativecommons.org/licenses/

**एस.आर.मोहन्ती**
**अपर मुख्य सचिव**

अ.शा.पत्र क्र R.S.K/10
दूरभाष कार्यालय - 0755-4251330
**मध्यप्रदेश शासन**
**स्कूल शिक्षा विभाग**
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल-462 004
भोपाल, दिनांक 20-1-2016

# संदेश

प्रिय शिक्षक साथियों,

बच्चों की शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण और रोचक बनाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग निरन्तर प्रयासरत् है। आप सभी के प्रयासों से शिक्षकों के शिक्षण कौशल में भी निखार आया है और शालाओं में कक्षा शिक्षण भी आंनददायी तथा बेहतर हुआ है।

इसी दिशा में शिक्षकों को बाल केन्द्रित शिक्षण की ओर उन्मुख करने और शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्यों को लेकर, TESS India द्वारा मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) का विकास किया गया हैं। इनका उपयोग शिक्षण कार्य में सहजता व सुगमतापूर्वक किया जा सकता है। आशा है कि ये संसाधन, शिक्षकों एवं शिक्षक प्रशिक्षकों के व्यावसायिक उन्नयन और क्षमतावर्द्धन में लाभकारी और उपयोगी सिद्ध होंगे।

राज्य शिक्षा केन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में TESS India द्वारा स्थानीय भाषा में तैयार किये गये मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) को www.educationportal.mp.gov.in पर भी उपलब्ध कराया गया हैं। आशा है इन संसाधनों के उपयोग से प्रदेश के शिक्षक और शिक्षक प्रशिक्षक लाभान्वित होंगे और कक्षाओं में पठन पाठन को रूचिकर और गुणवत्तायुक्त बनाने में मदद मिलेगी।
शुभकामनाओं सहित,

(एस.आर.मोहन्ती)

**दीप्ति गौड मुकर्जी**
आयुक्त
राज्य शिक्षा केन्द्र एवं
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
स्कूल शिक्षा विभाग

अर्द्ध शा. पत्र क्र. : 8
दिनांक : 12/1/16

पुस्तक भवन, वी-विंग
अरेरा हिल्स, भोपाल-462011
फोन : (का.) 2768392
फैक्स : (0755) 2552363
वेबसाइट : www.educationportal.mp.gov.in
ई-मेल : rskcommmp@nic.in

# संदेश

प्रिय शिक्षक साथियों,

सभी बच्चों को रूचिकर और बाल केन्द्रित शिक्षा उपलब्ध हो इसके लिए आवश्यक है कि हमारे शिक्षकों को शिक्षण की नवीनतम तकनीकों और शिक्षण विधियों से परिचित कराया जाए साथ ही इन तकनीकों के उपयोग के लिए उन्हे प्रोत्साहित भी किया जाए। TESS India द्वारा तैयार किये गये मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) के उपयोग से शिक्षक शिक्षण प्रविधि के व्यावहारिक उपयोग को सीख सकते हैं। इनकी सहायता से शिक्षक न केवल विषय वस्तु को सुगमता पूर्वक पढ़ा सकते हैं बल्कि पठन पाठन की इस प्रकिया में बच्चों की अधिक से अधिक सहभागिता भी सुनिश्चित कर सकते हैं।

राज्य शिक्षा केन्द्र स्कूल शिक्षा विभाग ने स्थानीय भाषा में तैयार किये गये इन मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) को अपने पोर्टल www.educationportal.mp.gov.in पर भी उपलब्ध कराया है।

आशा हैं, कि आप इन संसाधनों का कक्षा शिक्षण के दौरान नियमित रूप से उपयोग करेंगे और अपने शिक्षण कौशल में वृद्धि करते हुए बच्चों की पढ़ाई को आनंददायक बनाने का प्रयास करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

(दीप्ति गौड मुकर्जी)

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

## टेस–इण्डिया स्थानीयकृत ओईआर निर्माण में सहयोग

| |
|---|
| **मार्गदर्शन एवं समीक्षा :** |
| श्रीमती स्वाति मीणा नायक, अपर मिशन संचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल |
| डॉ. एच. के. सेनापति, प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र. |
| डॉ. ओ.पी.शर्मा, अपर संचालक, मध्यप्रदेश एससीईआरटी |
| डॉ. अशोक कुमार पारीक उपसंचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल |
| श्री आर. पी. त्रिपाठी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल |
| प्रो.जयदीप मंडल, विभागाध्यक्ष विज्ञान एवं गणित शिक्षा संकाय, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र. |
| डॉ. आर. रायजादा, सहप्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष विस्तार शिक्षा, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र. |
| डॉ. वी.जी. जाधव, से.नि. प्राध्यापक भौतिक, एनसीईआरटी |
| डॉ. के. बी. सुब्रमण्यम से.नि. प्राध्यापक गणित, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र. |
| डॉ. आई. पी. अग्रवाल से.नि. प्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र. |
| डॉ. अश्विनी गर्ग सहा. प्राध्यापक गणित संकाय, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र. |
| डॉ. एल. के. तिवारी, सहप्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र. |
| श्री एल.एस.चौहान, सहा. प्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र. |
| डॉ. श्रुति त्रिपाठी, सहा. प्राध्यापक अंग्रेजी, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र. |
| डॉ. रजनी थपलियाल, व्याख्याता अंग्रेजी, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल |
| डॉ. मधु जैन, व्याख्याता शास. उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल |
| डॉ. सुशोवन बनिक, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र. |
| डॉ. सौरभ कुमार मिश्रा, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र. |
| श्री. अजी थॉमस, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र. |
| डॉ. राजीव कुमार जैन, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र. |
| **स्थानीयकरण :** |
| **भाषा एवं साक्षरता** |
| डॉ. लोकेश खरे, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल |
| डॉ. एम.एल. उपाध्याय से.नि. व्याख्याता शास. उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय मुरैना |
| श्री रामगोपाल रायकवार ,कनि. व्याख्याता, डाइट कुण्डेश्वर, टीकमगढ़ |
| डॉ. दीपक जैन अध्यापक, शास. उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय क्र 1 टीकमगढ़ |
| **अंग्रेजी** |
| श्री राजेन्द्र कुमार पाण्डेय, प्राचार्य, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल |
| श्रीमती कमलेश शर्मा. डायरेक्टर , ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल |
| श्री हेमंत शर्मा, प्राचार्य, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल |
| श्री मनोज कुमार गुहा वरि. व्याख्याता, एससीईआरटी. मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल |
| डॉ. एफ.एस.खान, वरि.व्याख्याता, प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान (आईएएसई) भोपाल |
| श्री सुदीप दास, प्राचार्य, शास.उ.मा.विद्यालय दालौदा, मन्दसौर |
| श्रीमती संगीता सक्सेना, व्याख्याता, ,शास.कस्तूरबा कन्या उ.मा.विद्यालय भोपाल |
| **गणित** |
| श्री बी.बी. पी. गुप्ता, समन्वयक गणित, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल |
| श्री ए. एच. खान प्राचार्य शास.उ.मा.विद्यालय रामाकोना, छिंदवाड़ा |
| डॉ. राजेन्द्र प्रसाद गुप्त , प्राचार्य शास. जीवाजी ऑब्जर्वेटरी उज्जैन |
| डॉ.आर,सी. उपाध्याय, वरि. व्याख्याता, डाइट, सतना |
| डॉ. सीमा जैन, व्याख्याता, शास. कन्या उ.मा.विद्यालय गोविन्दपुरा, भोपाल |
| श्री सुशील कुमार शर्मा, शिक्षक, शास. लक्ष्मी मंडी उ.मा.विद्यालय, अशोका गार्डन, भोपाल |
| **विज्ञान** |
| डॉ. अशोक कुमार पारीक उपसंचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल |
| डॉ. सुसम्मा जॉनसन, व्याख्याता एस.आई.एस.ई. जबलपुर मध्यप्रदेश |
| डॉ.सुबोध सक्सैना, समन्वयक एससीईआरटी मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल |
| श्री आर. पी. त्रिपाठी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल |
| श्री अरूण भार्गव, वरि. व्याख्याता, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल |
| श्रीमती सुषमा भट्ट, वरि.व्याख्याता, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल |
| श्री ब्रजेश सक्सेना, प्राचार्य, एससीईआरटी ,मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल |
| डॉ. रेहाना सिद्दकी से.नि. व्याख्याता सेन्ट फ्रांसिस हा. से. स्कूल भोपाल |

*TESS-India* (विद्यालय समर्थित शिक्षक शिक्षा) का उद्देश्य मुक्त शैक्षिक संसाधनों की सहायता से भारत में प्रारंभिक और सेकेण्डरी शिक्षकों के कक्षा अभ्यास व कक्षा निष्पादन को सुधारना है जिसमें वे इन संसाधनों की सहायता से विद्यार्थी-केंद्रित, सहभागी दृष्टिकोणों का विकास कर सकें। टेस इंडिया के मुक्त शैक्षिक संसाधन शिक्षकों के लिए स्कूल पाठ्य पुस्तक के अतिरिक्त,सहयोगी पुस्तिका या संसाधन की तरह हैं। इसमें शिक्षकों के लिए कुछ गतिविधियां दी गई हैं जिन्हे वे कक्षाओ में विद्यार्थियों के साथ प्रयोग में ला सकते हैं, इसके साथ साथ कुछ केस स्टडी दी गई हैं जो यह बताती हैं कि कैसे अन्य शिक्षकों ने पाठ्य विषय को कक्षाओं में पढ़ाया और अपनी विषय संबंधी जानकारियों को बढ़ाने तथा पाठ योजनाओं को तैयार करने में संसाधनों का उपयोग किया।

*TESS-India OER* भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल भारतीय तथा अंतर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार किये गये है और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट रूप में उपयोग के लिए उपलब्ध हैं *(http://www.tess-india.edu.in)*। *OER* कार्यक्रम से जुड़े प्रत्येक भारतीय राज्य के शिक्षकों के उपयोग के लिए उपयुक्त तथा कई संस्करणों में उपलब्ध हैं तथा शिक्षक व उपयोगकर्ता इन्हे अपनी स्थानीय आवश्यकताओं और सन्दर्भों के अनुरूप इनका स्थानीय करण करके उपयोग कर सकते हैं।

प्रस्तुत संस्करण मध्यप्रदेश की स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

**वीडियो संसाधन**

इस इकाई में कुछ गतिविधियों के साथ यह आइकॉन दिया गया है*:* *.* इसका अर्थ है कि आप उक्त विशिष्ट विषयवस्तु या शैक्षणिक प्रविधि को और अधिक समझने के लिए *TESS-India* के वीडियो संसाधनों की मदद ले सकते हैं।

TESS-India वीडियो ससांधन (Resources) भारतीय परिप्रेक्ष्य में कक्षाओं में उपयोग की जा सकने वाली सीखने–सिखाने की विविध तकनीकों को दर्शाते हैं। हमें यकीन है कि इनसे आपको इसी प्रकार की तकनीकें अपनी कक्षा में करने में मदद मिलेगी। यदि इन वीडियो संसाधनों तक आपकी पहुॅंच नहीं हो तो कोई बात नहीं। यह वीडियो पाठ्यपुस्तक का स्थान नहीं लेते, बल्कि उसको पढ़ाने में आपकी मदद करते हैं।

*TESS-India* के वीडियो संसाधनों को *TESS-India* की वेबसाइट *http://www.tess-india.edu.in/* पर ऑनलाइन देखा जा सकता है या डाउनलोड किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त आप इन वीडियो को सीडी या मेमोरी कार्ड में लेकर भी देख सकते हैं।

*संस्करण* 2.0 EE03v2
Madhya Pradesh
तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है*: http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3*
TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

## यह इकाई किस बारे में है

यह इकाई अंग्रेज़ी ध्वनियों, वर्णों और शब्दों को सीखने व उनका अभ्यास करने के लिए कक्षा की गतिविधियों के बारे में है। हम जानते हैं कि अंग्रेज़ी पढ़ना सीखने का एक महत्वपूर्ण चरण यह जानना है कि अंग्रेज़ी वर्णमाला के वर्णों की ध्वनियाँ कौन–सी हैं। बेशक पढ़ना सीखने में सिर्फ इतना ही शामिल नहीं है – पढ़ना सिखाते समय अर्थ पर भी ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। इस यूनिट की गतिविधियाँ इस तरह तैयार की गई हैं, ताकि जब आप और आपके विद्यार्थी अंग्रेज़ी ध्वनियों और वर्णों का अभ्यास करें, तो अर्थ पर ध्यान केंद्रित रखने में मदद मिले।

## इस इकाई से आप क्या सीख सकते हैं

- अपने स्तर पर अंग्रेज़ी भाषा वर्णों और ध्वनियों का अभ्यास करना।
- विद्यार्थियों के साथ कक्षा में भाषा के अंग्रेज़ी वर्णों और ध्वनियों का अभ्यास करना।
- अंग्रज़ी ध्वनि, वर्ण और शब्द गतिविधियों की योजना बनाना।

## 1 अंग्रेज़ी उच्चारण

पहली गतिविधि में, आप अपने स्तर पर एक अंग्रेज़ी उच्चारण मार्गदर्शिका के माध्यम से काम करेंगे।

### गतिविधि 1: अंग्रेज़ी वर्ण और ध्वनियाँ

अंग्रेज़ी भाषा के वर्णों के नाम उनके द्वारा शब्दों में बनाई जाने वाली ध्वनियों से बहुत अलग हो सकते हैं।

इस अंग्रेज़ी वर्ण का नाम बोलें 'b'। इसका उच्चारण कुछ इस तरह का होगा 'bee'। इस वर्ण से शुरू होने वाले कुछ अंग्रेज़ी शब्द कौन–से हैं? आप शायद 'bag', 'bus' या 'bell' के बारे में सोच सकते हैं। इन शब्दों को ऊंची आवाज़ में बोलें।

जब आप इन शब्दों को ऊँची आवाज़ में बोलते हैं, तब आप सुनेंगे कि इस वर्ण की ध्वनि कुछ इस तरह की है 'bh'। केवल 'b' की ध्वनि बोलने की कोशिश करें, और 'bag' व 'boy' जैसे शब्दों में ध्वनि को सुनें। वर्ण के नाम और वर्ण की ध्वनि के बीच अंतर को सुनें।

यह दोबारा करके देखें और अंग्रेज़ी वर्ण 'r' का नाम बोलें। 'r' से शुरू होने वाले कुछ शब्द कौन–से हैं? इन शब्दों को ऊंची आवाज़ में बोलें।

इन शब्दों में 'r' द्वारा उत्पन्न होने वाली ध्वनि क्या है? सुनें कि वर्ण का नाम 'r' कुछ इस तरह सुनाई देता है 'are', लेकिन इसकी ध्वनि कुछ इस तरह की है 'rrr'।

अंग्रेज़ी के स्वरों के मामले में ('a', 'e', 'i', 'o', 'u'), इन्हें जिस शब्द में उपयोग किया जाता है, उसके अनुसार ध्वनि बदल जाती है।

संसाधन 1 पर जाएँ और वर्णों और ध्वनियों का स्वतः अभ्यास करें। आप अपने आत्मविश्वास और उच्चारण का मूल्यांकन कैसे करेंगे?

अंग्रेज़ी में अपना उच्चारण सुधारने का एक अच्छा तरीका जितना ज्यादा संभव हो, उतनी अंग्रेज़ी की ध्वनियों को सुनना है। रेडियो पर अंग्रेज़ी सुनने की कोशिश करें। इसमें जो कुछ भी बोला या गाया जा रहा हो, भले ही आप उसे पूरी तरह नहीं समझ सकते हों, लेकिन फिर भी इसे सुनें और अंग्रेज़ी की ध्वनियों को बोलने की कोशिश करें।

आगे बताई गई दो केस स्टडी में, आप देख सकते हैं कि शिक्षकों ने किस तरह अंग्रेज़ी वर्णों और ध्वनियों का परिचय विद्यार्थियों को दिया।

वृत्त–अध्ययन 1: **शाहिदा 'इ'** की ध्वनि सिखाती हैं

*शाहिदा अंग्रजी भाषा की शिक्षिका हैं।*

मेरे पास एक बैग (bag), गुब्बारा (baloon) और एक ब्रश (brush), तथा कुछ ऐसी वस्तुओं के चित्र थे, जिनके नाम 'b' से शुरू होते हैं, जैसे बोट (boat), बाइसिकल (bicycle) और भैंस (buffalo)। मेरे पास एक कपड़े का टुकड़ा भी था, जिसका रंग नीला (blue) था।

मैंने यह कहते हुए पाठ की शुरुआत की कि, 'आज हम वर्ण "b" और "b" की ध्वनि पर ध्यान देंगे। आइये हम सब अंग्रेज़ी के कुछ ऐसे शब्द सीखें, जिनकी ध्वनि "b" से शुरू होती है।'

कभी–कभी कुछ विद्यार्थियों ने ऐसे हिन्दी शब्द बताए, जो 'b' ध्वनि के साथ शुरू होते हैं। जब उन्होंने ऐसा किया, तो मैंने इस बात की पुष्टि की कि हमारी भाषा की यह ध्वनि अंग्रेज़ी 'b' के ही समान है। मैंने कक्षा के उन विद्यार्थियों की तरफ भी इशारा किया, जिनके नाम 'b' ध्वनि के साथ शुरू होते हैं, जैसे बलराम और बबीता।

जब हमारे पास 'b' से शुरू होने वाले शब्दों की सूची बन गई, तो मैंने इस सूची की सहायता से एक बहुत सरल कहानी बनाईः
Babita went to the market to buy a cricket bag, a new bag for her school books, a brush for her hair and a basket to keep the brush in. But in the end, she saw a blue balloon and she bought that instead.

इसके बाद मैंने विद्यार्थियों से कहा कि वे 'b' से शुरू होने वाले शब्दों के चित्र बनाएँ और इन चित्रों को अपनी स्वयं की कहानी सुनाएँ।

विचार कीजिए

- शाहिदा ने इस पाठ के लिए किस प्रकार तैयारी की?
- क्या आपको लगता है कि विद्यार्थी वर्ण के नाम और वर्ण के बीच की ध्वनि के अंतर के कारण भ्रमित हो जाएँगे? परवीन इस ग़लतफहमी को कैसे ?
- शाहिदा अपने विद्यार्थियों की समझ का मूल्यांकन कैसे करेंगी?

## 2 कक्षा में वर्ण, ध्वनियाँ और शब्द

### केस स्टडी 2: **शीला** पाठ्यपुस्तक और फ्लैश कार्डों का उपयोग करती हैं

*शीला दूसरी कक्षा को पढ़ाती हैं।*

मैंने अंग्रेज़ी वर्ण कार्डों का एक सेट बनाया (चित्र 1)। इन कार्डों में अंग्रेज़ी की वर्णमाला के सभी वर्ण हैं और साथ ही कुछ वर्णों के संयोजन भी हैं, जैसे 'ch', 'sh', 'ph' और 'th'। इन कार्डों को बनाने में बहुत ज्यादा समय नहीं लगा और वे हमेशा उपयोगी होते हैं।

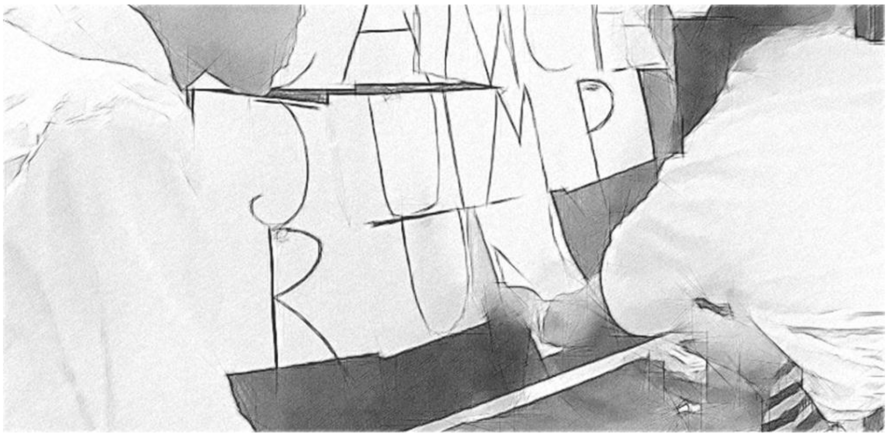


**चित्र 1** वर्ण कार्डों का उपयोग करना।

मैं पाठ्यपुस्तक का पाठ लेती हूँ और मैं यूनिट की मुख्य शब्दावली के लिए फ्लैश कार्डों का एक और सेट बनाती हूँ। मैं कार्डों के एक तरफ शब्द लिखती हूँ और दूसरी तरफ शब्दों के चित्र बनाती हूँ – या कुछ चित्र पत्रिकाओं में ढूँढती हूँ – (उदाहरण के लिए 'apple', 'mango', 'banana', 'chapati', 'fish')।

कोई पाठ सिखाने से पहले मैं खुद अंग्रेज़ी में उन शब्दों को बोलने का अभ्यास करती हूँ, ताकि मैं उन्हें बोलते समय आत्मविश्वासी महसूस करूँ। कभी–कभी मैं अपने उच्चारण अपनी एक मित्र को जाँचने को कहती हूँ, जिसकी अंग्रेज़ी मुझसे बेहतर है।

कक्षा में, मैं चित्र कार्ड उठाती हूँ और प्रत्येक चित्र के शब्द का उच्चारण करती हूँ। मैं विद्यार्थियों से कहती हूँ, 'मेरे पीछे दोहराएँ ... mango'। मैं ऐसा कई बार दोहराती हूँ। इसके बाद मैं फिर से गतिविधि दोहराती हूँ, इस बार मैं शब्द का उच्चारण करते समय इसकी पहली ध्वनि पर ज़ोर देती हूँ; उदाहरण के लिए 'm – mango'। उस शब्द का उपयोग करके मैं विद्यार्थियों से छोटे प्रश्न पूछने की कोशिश करती हूँ, ताकि वे एक वाक्य में उन्हें दोहराए जाने पर सुन सकें। उदाहरण के लिए, मैं पूछती हूँ, 'Do you like mango?' – और वे उत्तर में yes या no बोल सकते हैं।

इसके बाद मैं विद्यार्थियों को वर्णों के कार्ड दिखाती हूँ और उनसे कहती हूँ कि जब मैं कार्ड पकड़े रखूँ, तो वे 'a', 'm', 'b', 'ch' और 'f' जैसी ध्वनियों का उच्चारण करें। अंत में, मैं चित्र कार्डों में से एक को उठाती हूँ और विद्यार्थियों से वह ध्वनि बताने को कहती हूँ, जिससे यह शुरू होता है। इसलिए जब मैं कोई कार्ड उठाती हूँ, जिस पर आम बना हो, तो वे 'm' की ध्वनि या वर्ण 'm' का नाम ले सकते हैं – ये दोनों ही सही हैं।

पूरे सप्ताह के दौरान, मैं विद्यार्थियों के छोटे समूहों के बीच फ्लैश कार्डों के दो सेटों की अदलाबदली करते हुए उनसे एक खेल खलने को कहती हूँ – जिसमें चित्र और शब्द कार्डों का मिलान वर्ण कार्डों के साथ करना होता है। मैं उन बच्चों के समूह के साथ काम करती हूँ, जिन्हें वर्ण/ध्वनि संबंध बनाने में कठिनाई आ रही हो। [संसाधन 2, 'समूह में कार्य का उपयोग करना' को देखकर, आप इस बारे में अधिक जानकारी पा सकते हैं कि विद्यार्थियों को समूहों में किस प्रकार व्यवस्थित और प्रबंधित किया जाए।]

इन गतिविधियों में, मैं विद्यार्थियों को वर्ण पढ़ने और वर्णों की ध्वनि का उच्चारण करने, तथा उनसे निकलने वाली ध्वनियों के बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहित करती हूँ। मैं उनसे पूरे शब्द भी पढ़ने और बोलने को कहती हूँ। मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है कि वे शब्दों के अर्थ के बारे में भी सोचें और छोटे–छोटे वाक्यों में उन शब्दों का उपयोग भी करें।

विचार कीजिए

- शीला कौन–से संसाधन तैयार करती हैं? आपके लिए इस तरह के संसाधन तैयार करना कितना सरल या कठिन होगा?
- क्या आपको लगता है कि (letters) वर्णों, (sounds) ध्वनियों और (words) शब्दों को जोड़ने की शीला की विधि प्रभावी है?
- यदि कोई विद्यार्थी वर्णमाला बोल सकता हो, लेकिन लिखे हुए वर्णों को न पहचान सकता हो, तो इसका अर्थ क्या होता है?
- यदि कोई विद्यार्थी शब्दों को फ्लैश कार्डों पर पढ़ सकता हो, लेकिन उन्हीं शब्दों को पाठ्यपुस्तक में न पहचान सकता हो, तो इसका अर्थ क्या होता है?
- शीला की कक्षा की गतिविधियाँ किस प्रकार रटना को हतोत्साहित करती हैं?

विद्यार्थियों को वर्ण और शब्द रट लेने और दोहराने को कहा जा सकता है, इसका आवश्यक रूप से यह अर्थ नहीं है कि विद्यार्थी जो कुछ 'पढ़' रहे हैं, वे उसे समझते भी हैं। शीला की कक्षा की गतिविधियाँ अलग–अलग और अंतःक्रिया वाली हैं। वह विद्यार्थियों को इनमें भाग लेने, और अनुमान लगाने के लिए प्रोत्साहित करती है, और वह उनकी गलतियों को ज़रुरत से ज्यादा नहीं सुधारती। नंदा वर्णों और ध्वनियों को अलग–अलग नहीं सिखाती – वह उन शब्दों में वर्ण (Letters) और ध्वनियाँ (Sounds) पहचानने में विद्यार्थियों की मदद करती है, जो उन्हें अर्थपूर्ण लगते हैं (जैसे 'mango' और 'chapati')।

वीडियोः प्रगति और प्रदर्शन का आकलन करना

## गतिविधि 2: वर्ण (letters), ध्वनियाँ (sounds) और शब्द (words)

अब संसाधन 3 पर जाएँ। इन खेलों और गतिविधियों को पढ़ें। अपनी कक्षा के साथ प्रयोग करके देखने के लिए एक गतिविधि चुनें, या तो संसाधन 3 से या केस स्टडी 1 और 2 से।

यदि संभव हो, तो एक साथी शिक्षक के साथ अपने चयन के बारे में चर्चा करें। क्या आप उस खेल या गतिविधि में किसी तरह का कोई अनुकूलन करेंगे, ताकि वह आपकी कक्षा की आवश्यकताओं के अनुरूप हो जाए?

गतिविधि को पाठ्यपुस्तक के उस पाठ की शब्दावली से जोड़ें, जो आप पढ़ा रहे हैं। अपने विद्यार्थियों के साथ यह गतिविधि करने से पहले इसे एक बार अपने साथी शिक्षक के साथ करके देखें।

इन गतिविधियों का मुख्य लक्ष्य वर्ण और ध्वनियाँ सिखाना है, लेकिन यह सुनिश्चित करना भी महत्वपूर्ण है कि विद्यार्थी इन ध्वनियों को अंग्रेज़ी शब्दों के साथ जोड़ सकें और वे इन शब्दों का अर्थ समझ लें। आप यह कैसे सुनिश्चित करेंगे?

आपने जो गतिविधि चुनी है, वह विद्यार्थियों के साथ करें। इसके बाद इस बारे में सोचें कि क्या अच्छा हुआ और किसे आप अगली बार अलग तरीके से कर सकते हैं।

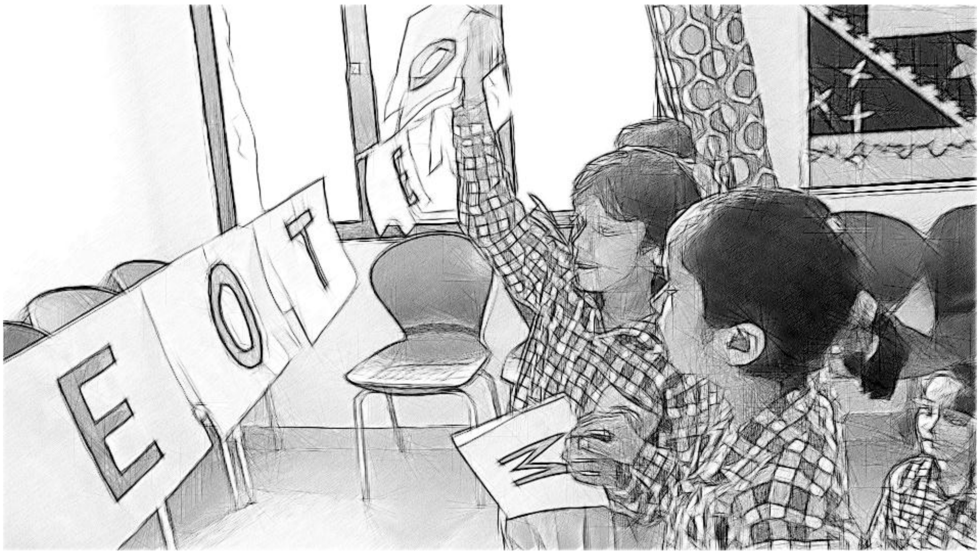


एक वर्ण कार्ड गतिविधि।

समय के साथ अंग्रेज़ी वर्ण और ध्वनियाँ सीखने में विद्यार्थियों की प्रगति की निगरानी करना एक अच्छा विचार है, और साथ ही यह भी देखना कि वे अपने वर्ण/ध्वनि संबंधी ज्ञान को किस तरह अपने पठन और लेखन पर लागू करते हैं। एक सरल टिक सूची या सारणी के द्वारा आपको प्रत्येक विद्यार्थी की प्रगति पर मॉनीटरिंग करने में मदद मिल सकती है, ताकि आप उनकी उपलब्धि के रिकॉर्ड तैयार कर सकें:

- वर्णमाला बोल सकते हैं।
- वर्णों को पहचान सकते हैं।
- वर्णमाला के क्रम में न रखे गए वर्णों को भी पहचान सकते हैं।
- वर्णों के नामों को ध्वनियों के साथ जोड़ सकते हैं।
- वर्णों के पैटर्न को ध्वनियों के साथ जोड़ सकते हैं (उदा. 'ch', 'sh', 'th')।
- वर्ण/ध्वनि ज्ञान का उपयोग सरल शब्दों को पढ़ने में कर सकते हैं।
- वर्ण/ध्वनि ज्ञान का उपयोग सरल शब्दों को पढ़ने में कर सकते हैं।
- फ्लैश कार्ड पर शब्दों को पढ़ सकते हैं।
- एक वाक्य (sentence) में शब्दों (words) को पढ़ सकते हैं।

## 3 शब्द और वर्तनी

तुकांत शब्दों को सुनने और उनका उपयोग करने से विद्यार्थियों को अंग्रेज़ी में वर्ण और ध्वनि के पैटर्न की पहचान करने में मदद मिलती है। पाठ्यपुस्तकों में ऐसे पाठ शामिल हो सकते हैं, जिनमें विद्यार्थियों से एक लंबे पाठ के भीतर चयनित छोटे शब्दों को ढूँढने को कहा जाए। आप इन पाठों को अनुकूलित कर सकते हैं, ताकि विद्यार्थियों को तुकांत शब्दों की पहचान करने में मदद मिले।

गतिविधि 3 में कक्षा की पाठ्यपुस्तक के एक अंश का उपयोग किया गया है। अंश की शुरुआत में आने वाले शब्द तुकांत शब्द हैं। प्रत्येक जोड़े का एक शब्द कहानी में आता है, और विद्यार्थियों को इन शब्दों को ढूँढना है।

### गतिविधि 3: शब्द कार्य के लिए पाठ्यपुस्तक का उपयोग करना

इस गतिविधि से विद्यार्थियों को सार्थक सन्दर्भ में शब्दों का उपयोग करने में मदद मिलती है। स्वयं करके देखें।

इन शब्दों को पढ़ें और ऊंची आवाज़ में बोलें। इसके बाद उन शब्दों पर गोला लगाएँ, जिन्हें आप कहानी में ढूँढ लेते हैं।

| | | | |
|---|---|---|---|
| Few | bed | see | back |
| New | red | tree | sack |

Ravi is crying. ‘I CAN’T SEE MY NEW BAG!’ he says.

‘Is your bag new?’ asks the teacher.

‘Yes, it is,’ says Ravi.

‘Is it red and yellow?’

‘Yes, it is.’

‘I can see it,’ says the teacher.

‘Where?’

‘It’s on your back!’

अब अपनी पाठ्यपुस्तक से एक छोटा अंश चुनें और उपरोक्त गतिविधि जैसी ही एक गतिविधि तैयार करें, जिसमें उस पाठ्य–अंश के साथ उपयोग किए जाने वाले तुकांत शब्दों का एक सेट बनाएँ।

उस अंश और तुकबंदी Rhyme वाले शब्दों का उपयोग करें, जो आपने अपने विद्यार्थियों के साथ मिलकर पाठ्यपुस्तक से तैयार किए हैं। इस गतिविधि के कार्य का तरीका विद्यार्थियों को प्रदर्शित करके बताने के लिए पहला शब्द स्वयं करें।

आपने जो अंश चुना है, यदि वह कोई बातचीत है, तो उस बातचीत को ऊँची आवाज़ में सुनें, जिससे यह सुनिश्चित करने में मदद मिले कि विद्यार्थी इसे समझ गए हैं। आप अलग अलग आवाज़ों का उपयोग करके दो अलग अलग भागों का अभिनय कर सकते हैं या किसी विद्यार्थी को आपके साथ अभिनय करने को कह सकते हैं। नकल और हावभाव, तथा कक्षा की किसी भी वस्तु का उपयोग करें, ताकि यह सुनिश्चित हो जाए कि विद्यार्थी इसका अर्थ समझते हैं।

जब विद्यार्थी इस गतिविधि में काम कर रहे हैं, तब आप अंग्रेज़ी वर्णों के पैटर्न पहचानने और पढ़ने के उनके कौशल का आकलन कर सकते हैं। उन्हें पाठ्य अंश ऊंची आवाज़ में पढ़कर सुनाने और बोले जाने वाले तुकांत शब्दों को सुनने के लिए प्रोत्साहित करें।

अगली गतिविधि में आप वर्णों, ध्वनियों और स्पेलिंग के बीच संबंधों को देखते हैं।

## गतिविधि 4: स्पेलिंग बनाने के लिए वर्णों और ध्वनियों का उपयोग करना

### यह आपके लिए एक गतिविधि है।

आठ–वर्ष की एक बच्ची द्वारा लिखी गई इस अंग्रेज़ी कहानी का शुरुआती भाग पढ़ें:

*Ther ouns was two flawrs. Oun was pink and the othr was prpul. Thae did not like ech athr becuse thae whr difrint culrs. Oun day thae had a fite.*

### क्या आप कहानी को पढ़कर इसे समझ सके? आप इसका आकलन कैसे करेंगे?

यह छात्रा अपनी कहानी लिखने के लिए अंग्रेज़ी वर्णों और ध्वनियों के अपने पूरे ज्ञान का उपयोग कर रही है। वह इस बारे में अपनी समझ का पूरी तरह उपयोग कर रही है कि स्पेलिंग कैसे बनाई जाए। इस तरह बनाई गई ये स्पेलिंग पठन और लेखन के विकास का एक चरण हैं। यह महत्वपूर्ण है कि विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई इन स्पेलिंग को साक्षरता की विकास प्रक्रिया के एक भाग के रूप में देखा जाए – वे त्रुटियाँ या गलतियाँ नहीं हैं।

जब आपके नन्हें विद्यार्थी अंग्रेज़ी में लिखना शुरू करते हैं, तो इस बात की संभावना है कि वे वर्तनी (Spelling) विकास के इन चरणों से गुज़रेंगे:

- शब्द या ध्वनि को दर्शाने के लिए एक ही वर्ण का उपयोग करना, उदाहरण के लिए, 'u' for 'you', या 'm' for 'am'.
- किसी शब्द को दर्शाने के लिए एक वर्ण या वर्णों के समूह का उपयोग करना; उदाहरण के लिए, 'come' के लिए 'kam', 'love' के लिए 'lv' और 'this is a cat' के लिए 'dis iz a kat'।

अब आपके कुछ विद्यार्थियों के अंग्रेज़ी लेखन पर नज़र डालें और देखें कि क्या आपको उनके द्वारा बनाई गई कोई अंग्रेज़ी स्पेलिंग मिलती हैं।

उनके द्वारा बनाई गई इन स्पेलिंग के बारे में आपकी प्रतिक्रिया क्या रही है? क्या आप उन्हें तुरंत सुधार देते हैं? आपके सुधारों पर आपके विद्यार्थी क्या प्रतिक्रिया देते हैं? क्या आप कभी विद्यार्थियों से कहते हैं कि वे आपको उनकी अंग्रेज़ी स्पेलिंग अपने घर की भाषा में समझाएँ?

यह महत्वपूर्ण है कि आप इन नई बनाई गई स्पेलिंग में ज़रुरत से ज्यादा सुधार न करें, क्योंकि सीखने के साथ–साथ विद्यार्थी भाषा के वर्णों और ध्वनियों के साथ प्रयोग कर रहे हैं। विद्यार्थी भाषा को सुनकर, पढ़कर और लिखकर स्पेलिंग के बारे में विचार हासिल करते हैं। समय के साथ–साथ संपर्क और अभ्यास बढ़ने पर, उनकी स्पेलिंग में भी सुधार बढ़ता जाएगा।

संपर्क और अभ्यास के साथ, विद्यार्थियों की स्पेलिंग में भी सुधार बढ़ता जाएगा।

## 4 सारांश

इस यूनिट में आपने देखा कि गतिविधियों के द्वारा आप अपना खुद का और आपके विद्यार्थियों का अंग्रेज़ी वर्णो का ज्ञान किन तरीकों से बढ़ा सकते हैं। वर्णों और ध्वनियों की आपकी शिक्षा को पठन और लेखन में शामिल करना एक अच्छा अभ्यास है, ताकि विद्यार्थी उन्हें अलग–थलग करके न सीखें। यदि संभव हो, तो अपना स्वयं का उच्चारण सुधारने के लिए आप रेडियो में बोली या गाई जाने वाली अंग्रेज़ी सुनें। अपनी कक्षा में नियमित रूप से अंग्रेज़ी सुनने की गतिविधि के लिए रेडियो के उपयोग की संभावना पर विचार करें। क्या आप विद्यार्थियों को एक कंप्यूटर कीबोर्ड या मोबाइल फोन पर अंग्रेज़ी वर्ण दिखा सकते हैं?

इस विषय पर अन्य आरंभिक अंग्रेजी अध्यापक विकास इकाइयाँ हैं:

- *कक्षागत गतिविधियॉ*
- *पाठ्यपुस्तक का रचनात्मक रूप से उपयोग करना*
- *गीत, कविताएँ और शब्द खेल*
- *कहानी सुनना*
- *साझा पठन।*

## संसाधन

### संसाधन 1: उच्चारण मार्गदर्शिका

बेशक, अंग्रेज़ी आपकी पहली भाषा नहीं है और आप इसमें बिल्कुल सटीक उच्चारण होने की उम्मीद नहीं कर सकते। भले ही आप अंग्रेज़ी पढ़ या लिख सकते हैं, लेकिन हो सकता है कि आपने अंग्रेज़ी बहुत ज्यादा न सुनी हो और इसे बोलने में शर्माते हों। अंग्रेज़ी में राष्ट्रीय रेडियो और टेलीविजन कार्यक्रमों को सुनना अपने उच्चारण को बेहतर बनाने का एक तरीका है। दूसरा तरीका एक अच्छे शब्दकोश में उच्चारण मार्गदर्शिका का उपयोग करना है।

यदि आप चाहते हैं कि आपके विद्यार्थी इस तरह से अंग्रेज़ी बोलें ताकि उनकी बात को अच्छी तरह समझा जा सके, तो आपका अपना उच्चारण भी यथासंभव सर्वश्रेष्ठ होना चाहिए।

नीचे दी गई उच्चारण मार्गदर्शिका का उपयोग करके इस बात की जाँच करें कि आप अंग्रेज़ी में मुख्य स्वरों और व्यंजनों की ध्वनियों या इनके संयोजनों को कितनी अच्छी तरह जानते हैं। आप जिस ध्वनि के बारे में कम आश्वस्त हैं, उस पर टिक करें, और इन ध्वनियों वाले शब्दों को सुनने और बोलने के चरणों का पालन करें।

Single vowels

short a (mat, ant)

short e (bed, end)

short i (fish, it)

short o (shop, hot)

short u (bus, under)

long a (race, late)

long e (these, scene)

long i (time, like)

long o (home, bone)

long u (tune, use)

Pairs of vowels making a new sound

ai (train, paint)

ea (leaf, dream)

ee (sheep, been)

oa (boat, road)

oo (look, good)

ou (ground, out)

Vowel changed by a consonant

ar (car, park)

er (her, verse)

ir (bird, shirt)

or (short, or)

ur (ture, purple)

ow (town, shower/show, low)

ay (day, play)

Pairs of consonants making new sounds

th – unvoiced (three, thanks)

th – voiced (this, mother)

sh (she, short)

ch (which, chicken)

ph (phone, elephant)

gh (laugh, enough, high, although)

wh (what, why)

Others

all (all, fall)

qu (queen, quick)

y (sunny, happy)

ing (sing, talking)

## संसाधन 2: समूह में कार्य का उपयोग करना

समूहकार्य एक व्यवस्थित, सक्रिय, अध्यापन कार्यनीति है जो विद्यार्थियों के छोटे समूहों को एक आम लक्ष्य की प्राप्ति के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रोत्साहित करती है। ये छोटे समूह संरचित गतिविधियों के माध्यम से अधिक सक्रिय और अधिक प्रभावी शिक्षण को प्रोत्साहित करते हैं।

### समूह में कार्य के लाभ

समूहकार्य विद्यार्थियों को सोचने, संवाद कायम करने, विचारों का आदान–प्रदान करने और निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित करके सीखने हेतु उन्हें प्रेरित करने का बहुत ही प्रभावी तरीका हो सकता है। आपके विद्यार्थी दूसरों को सिखा सकते हैं और उनसे सीख भी सकते हैं: यह शिक्षण का शक्तिशाली और सक्रिय स्वरूप है।

समूहकार्य में विद्यार्थियों का समूहों में बैठना ही काफी नहीं होता है; इसमें स्पष्ट उद्देश्य के साथ सीखने के साझा कार्य पर काम करना और उसमें योगदान करना शामिल होता है। आपको इस बात को लेकर स्पष्ट होना होगा कि आप पढ़ाई के लिए सामूहिक कार्य का उपयोग क्यों

कर रहे हैं और जानना होगा कि यह भाषण देने, जोड़े में कार्य या विद्यार्थियों के स्वयं से कार्य करने पर तरजीह देने योग्य क्यों है। इस तरह समूहकार्य को सुनियोजित और उद्देश्यपूर्ण होना आवश्यक है।

## समूहकार्य का नियोजन करना

आप समूहकार्य का उपयोग कब और कैसे करेंगे यह इस बात पर निर्भर करेगा कि पाठ के अंत में आप कौन सा शिक्षण पूरा करना चाहते हैं। आप समूहकार्य को पाठ के आरंभ में, अंत में या बीच में शामिल कर सकते हैं, लेकिन आपको पर्याप्त समय का प्रावधान करना होगा। आपको उस कार्य के बारे में जो आप अपने विद्यार्थियों से पूरा करवाना चाहते हैं और समूहों को नियोजित करने के सर्वोत्तम ढंग के बारे में सोचना होगा।

एक अध्यापक के रूप में, आप समूहकार्य की सफलता सुनिश्चित कर सकते हैं यदि आप निम्न की योजना अग्रिम रूप से बनाते हैं:

- सामूहिक गतिविधि के लक्ष्य और अपेक्षित परिणाम
- किसी भी फीडबैक या सारांश कार्य सहित, गतिविधि को आबंटित समय
- समूहों को कैसे विभाजित करना है (कितने समूह, प्रत्येक समूह में कितने छात्र, समूहों के लिए मापदंड)
- समूहों को कैसे नियोजित करना है (समूह के विभिन्न सदस्यों की भूमिका, आवश्यक समय, सामग्रियाँ, रिकार्ड करना और रिपोर्ट करना)
- कोई भी आकलन कैसे किया और रिकार्ड किया जाएगा (व्यक्तिगत आकलनों को सामूहिक आकलनों से अलग पहचानने का ध्यान रखें)
- समूहों की गतिविधियों पर आप कैसे निगरानी रखेंगे।

## समूहकार्य के काम

वह काम जो आप अपने विद्यार्थियों को पूरा करने को कहते हैं वह इस पर निर्भर होता है कि आप उन्हें क्या सिखाना चाहते हैं। समूहकार्य में भाग लेकर, वे एक–दूसरे को सुनने, अपने विचारों को समझाने और आपसी सहयोग से काम करने जैसे कौशल सीखेंगे। तथापि, उनके लिए मुख्य लक्ष्य है जो विषय आप पढ़ा रहे हैं उसके बारे में कुछ सीखना। कार्यों के कुछ उदाहरणों में निम्नलिखित शामिल हो सकते हैं:

- **प्रस्तुतिकरण:** विद्यार्थी समूहों में काम करके शेष कक्षा के लिए प्रस्तुतिकरण बनाते हैं। यह सबसे बढ़िया उपयोगी तब होता है जब प्रत्येक समूह के पास विषय का भिन्न पहलू होता है, जिससे वे एक ही विषय को कई बार सुनने की बजाय एक दूसरे को सुनने के लिए प्रेरित होते हैं। प्रत्येक समूह को प्रस्तुत करने के लिए दिए गए समय के विषय में काफी सख्ती बरतें और अच्छे प्रस्तुतिकरण के लिए मापदंडों का एक सेट निश्चित करें। इन्हें पाठ से पहले बोर्ड पर लिखें। विद्यार्थी मापदंडों का उपयोग अपने प्रस्तुतिकरण की योजना बनाने और एक दूसरे के काम का आकलन करने के लिए कर सकते हैं। इन मापदंडों में निम्नलिखित शामिल हो सकते हैं:
  - क्या प्रस्तुतिकरण स्पष्ट था?
  - क्या प्रस्तुतिकरण सुसंरचित था?
  - क्या मैंने प्रस्तुतिकरण से कुछ सीखा?
  - क्या प्रस्तुतिकरण ने मुझे सोचने पर मजबूर किया?
- **समस्या को हल करना:** विद्यार्थी किसी समस्या या समस्याओं की एक शृंखला को हल करने के लिए समूहों में काम करते हैं। इसमें शामिल हो सकता है, विज्ञान का कोई प्रयोग करना, गणित की समस्याएं हल करना, अंग्रेजी कहानी या कविता का विश्लेषण करना, या इतिहास के सबूत का विश्लेषण करना।
- **कोई कलाकृति या उत्पाद बनाना:** विद्यार्थी समूहों में काम करके किसी कहानी, नाटक के भाग, संगीत के अंश, किसी अवधारणा को समझाने के लिए मॉडल, किसी मुद्दे पर समाचार रिपोर्ट या जानकारी को सारांशित करने या अवधारणा को समझाने के लिए पोस्टर का विकास कर सकते हैं। समूहों को किसी नए विषय के आरंभ में मंथन करने या मस्तिष्क में रूपरेखा बनाने के लिए पाँच मिनट देने से आपको इस बारे में बहुत कुछ जानकारी मिलेगी कि उन्हें क्या पहले से पता है, और आपको पाठ को उपयुक्त स्तर पर स्थापित करने में सहायता मिलेगी।
- **विभेदित कार्य:** समूहकार्य विभिन्न उम्रों या दक्षता स्तरों के विद्यार्थियों को किसी उपयुक्त काम पर मिलकर काम करने देने का अवसर है। अधिक दक्षता प्राप्त करने वाले काम को समझाने के अवसर से लाभ उठा सकते हैं, जबकि कम दक्षता प्राप्त करने वालों के लिए कक्षा की बनिस्बत समूह में प्रश्न पूछना अधिक आसान हो सकता है, और वे अपने सहपाठियों से सीखेंगे।
- **चर्चा:** विद्यार्थी किसी मुद्दे पर विचार करते हैं और एक निष्कर्ष पर पहुँचते हैं। इसके लिए आपको अपनी ओर से काफी तैयारी करनी होगी ताकि सुनिश्चित हो सके कि विभिन्न विकल्पों पर विचार करने के लिए विद्यार्थियों के पास पर्याप्त ज्ञान है, लेकिन चर्चा या विवाद का आयोजन आप और उन के लिए बहुत उपयोगी हो सकता है।

## समूहों का नियोजन करना

चार से आठ के समूह आदर्श होते हैं किंतु यह आपकी कक्षा, भौतिक पर्यावरण और फर्नीचर, तथा आपकी कक्षा की दक्षता और उम्र के दायरे पर निर्भर करेगा। आदर्श रूप से समूह में हर एक के लिए एक दूसरे से मिलना, बिना चिल्लाए बात करना और समूह के परिणाम में योगदान करना आवश्यक होगा।

- तय करें कि आप विद्यार्थियों को समूहों में कैसे और क्यों विभाजित करेंगे; उदाहरण के लिए, आप समूहों को मित्रता, रुचि या समान अथवा मिश्रित दक्षता के अनुसार बाँट सकते हैं। भिन्न तरीकों से प्रयोग करें और समीक्षा करें कि प्रत्येक कक्षा के लिए क्या सर्वोत्तम है।
- योजना बनाएं कि आप समूह के सदस्यों को कौन सी भूमिकाएं देंगे (उदाहरण के लिए, नोट लेने वाला, प्रवक्ता, टाइम कीपर या उपकरणों का संग्रहकर्ता) और आप इसे कैसे स्पष्ट करेंगे।

## समूह में कार्य का प्रबंधन करना

आप अच्छे समूहकार्य के प्रबंधन के लिए दिनचर्याएं और नियम तय कर सकते हैं। जब आप नियमित रूप से समूहकार्य का उपयोग करते हैं, तो विद्यार्थियों को पता चल जाएगा कि आप क्या अपेक्षा करते हैं और वे इसे आनंददायक पाएंगे। टीमों और समूहों में काम करने के लाभों की पहचान करने के लिए आरंभ में कक्षा के साथ काम करना एक अच्छा विचार है। आपको चर्चा करनी चाहिए कि समूहकार्य में अच्छा व्यवहार क्या होता है और संभव हो तो 'नियमों' की एक सूची बनाएं जिसे प्रदर्शित किया जा सकता है; उदाहरण के लिए, 'एक दूसरे के लिए सम्मान', 'सुनना', 'एक दूसरे की सहायता करना', 'एक से अधिक विचार को आजमाना', आदि।

समूहकार्य के बारे में स्पष्ट मौखिक अनुदेश देना महत्वपूर्ण है जिसे ब्लैकबोर्ड पर संदर्भ के लिए लिखा भी जा सकता है। आपको:

- अपनी योजना के अनुसार अपने विद्यार्थियों को उन समूहों की ओर निर्देशित करना होगा जिनमें वे काम करेंगे। ऐसा आप शायद कक्षा में ऐसे स्थानों को निर्दिष्ट करके कर सकते हैं जहाँ वे काम करेंगे या किसी फर्नीचर या स्कूल के बैगों को हटाने के बारे में अनुदेश देकर कर सकते हैं।
- कार्य के बारे में बहुत स्पष्ट होना और उसे बोर्ड पर लघु अनुदेशों या चित्रों के रूप में लिखना चाहिए। अपने शुरू करने से पहले विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने की अनुमति प्रदान करें।

पाठ के दौरान, यह देखने और जाँच करने के लिए घूमें कि समूह किस तरह से काम कर रहे हैं। यदि वे कार्य से विचलित हो रहे हैं या अटक रहे हैं तो जहाँ जरूरत हो वहाँ सलाह प्रदान करें।

आप कार्य के दौरान समूहों को बदलना चाह सकते हैं। जब आप समूहकार्य के बारे में आत्मविश्वास महसूस करने लगें तब दो तकनीकें आजमाई जा सकती हैं – वे बड़ी कक्षा को प्रबंधित करते समय खास तौर पर उपयोगी होती हैं:

- **'विशेषज्ञ समूह':** प्रत्येक समूह को एक अलग कार्य दें, जैसे विद्युत उत्पन्न करने के एक तरीके पर शोध करना या किसी नाटक के लिए किरदार विकसित करना। एक उपयुक्त समय के बाद, समूहों को पुनर्गठित करें ताकि प्रत्येक नया समूह सभी मूल समूहों से एक 'विशेषज्ञ' से युक्त हो। फिर उन्हें एक कार्य दें जिसमें सभी विशेषज्ञों के ज्ञान को एकत्र करना होता है, जैसे निश्चय करना कि किस प्रकार का पॉवर स्टेशन बनाना या नाटक का अंश तैयार करना चाहिए।
- **'दूत':** यदि कार्य में कोई चीज बनाना या किसी समस्या को हल करना शामिल है, तो कुछ समय बाद, प्रत्येक समूह से किसी अन्य समूह में एक दूत भेजने को कहें। वे विचारों या समस्या के हलों की तुलना और फिर वापस अपने स्वयं के समूह को सूचित कर सकते हैं। इस प्रकार, समूह एक दूसरे से सीख सकते हैं।

कार्य के अंत में, जो कुछ सीखा गया है उसका सारांश बनाएं और आपको नज़र आई किसी भी गलतफहमी को सुधारें। आप चाहें तो प्रत्येक समूह का फीडबैक सुन सकते हैं, या केवल एक या दो समूहों से पूछ सकते हैं जिनके पास आपको लगता है कि कुछ अच्छे विचार हैं। विद्यार्थियों की रिपोर्ट करने की प्रक्रिया को संक्षिप्त रखें और उन्हें अन्य समूहों के काम पर फीडबैक देने को प्रोत्साहित करें जिसमें वे पहचान सकते हैं कि क्या अच्छा किया गया था, क्या बात दिलचस्प थी और किस बात को और विकसित किया जा सकता था।

यदि आप अपनी कक्षा में समूहकार्य को अपनाना चाहते हैं तो भी आपको कभी–कभी इसका नियोजन कठिन लग सकता है क्योंकि कुछ छात्र:

- सक्रिय शिक्षण का प्रतिरोध करते हैं और उसमें शामिल नहीं होते
- हावी होने वाली प्रकृति के होते हैं
- अंतर्वैयक्तिक कौशलों की कमी या आत्मविश्वास के अभाव के कारण भाग नहीं लेते।

सीखने के परिणाम कहाँ तक प्राप्त हुए और आपके विद्यार्थियों ने कितनी अच्छी तरह से अनुक्रिया की (क्या वे सभी लाभान्वित हुए) इस पर विचार करने के अलावा, समूहकार्य के प्रबंधन में प्रभावी बनने के लिए उपरोक्त सभी बिंदुओं पर विचार करना महत्वपूर्ण होता है। सामूहिक कार्य, संसाधनों, समयों या समूहों की रचना में आप द्वारा किए जा सकने वाले समायोजनों पर सावधानी से विचार करें और उनकी योजना बनाएं।

शोध से पता चला है कि विद्यार्थियों की उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव पाने के लिए समूहों में सीखने का हर समय उपयोग करना आवश्यक नहीं है, इसलिए आपको हर पाठ में उसका उपयोग करने के लिए बाध्य महसूस नहीं करना चाहिए। आप चाहें तो समूहकार्य का उपयोग एक पूरक तकनीक के रूप में कर सकते हैं, उदाहरण के लिए विषय परिवर्तन के बीच अंतराल या कक्षा में चर्चा को अकस्मात शुरु करने के साधन के रूप में कर सकते हैं। इसका उपयोग विवाद को हल करने या कक्षा में अनुभवजन्य शिक्षण गतिविधियाँ और समस्या का हल करने के अभ्यास शुरू करने या विषयों की समीक्षा करने के लिए भी किया जा सकता है।

## संसाधन 3: वर्ण, ध्वनियाँ और शब्द खेल (Letter, sound and word games)

एक खेल चुनें और एक सहकर्मी के साथ इसका अभ्यास करें। इसके बाद अपनी कक्षा में इसे करके देखें। (Choose a game and practise it with a colleague. Then try it out with your class.)

### 'वर्ण और ध्वनियाँ' ('Letters and Sounds')

मौखिक गतिविधिः किसी वर्ण की ध्वनि बोलें (उदाहरण के लिए 'rrrr')। विद्यार्थियों को उस वर्ण से प्रारंभ होने वाले शब्द बोलने चाहिए (उदाहरण के लिए 'rain' या 'rabbit') उन्हें अंग्रेज़ी या हिन्दी में उत्तर देने दीजिए। (Oral activity: Say the sound of a letter (for example, 'rrrr) Students must say words that start with that letter (for example, 'rain' or 'rabbit) Let them give responses in English or in Hindi.)

पढ़ने और सुनने की गतिविधिः बोर्ड पर एक वर्ण लिखें, उदाहरण के लिए, वर्ण 'f'। सके बाद किसी भिन्न वर्ण की ध्वनि बोलें, उदाहरण के लिए 'g' की ध्वनि ('gh') या कोई ऐसा शब्द को इस वर्ण से शुरू होता है, जैसे 'goat'। यदि विद्यार्थियों को लगता है कि आपके द्वारा बोला गया वर्ण या शब्द बोर्ड पर लिखे वर्ण से मेल खाता है, तो उन्हें अपने हाथ उठाने चाहिए। आप देख सकते हैं कि कौन–से विद्यार्थी पाठ को समझ रहे हैं। ऐसा अलग अलग वर्णों, ध्वनियों और शब्दों के साथ करके देखें। (Reading and listening activity Write a letter on the board, for example, the letter 'f. Then say the sound of a different letter, for example the sound of 'g' ('gh') or a word that starts with the letter such as 'goat. The students must raise their hands if they think the letter or word you say matches the letter on the board. The students must raise their hands if they think the letter or word you say matches the letter on the board. Try this with different letters, sounds and words.)

### 'अनुमान लगाओ मुझे क्या दिख रहा है? (Guess What I See?)'

इस खेल का उपयोग किसी भी स्तर के साथ किया जा सकता है। कक्षा में दिखाई दे रही किसी वस्तु के लिए शब्द चुनें (उदा. 'पेन', 'दरवाज़ा', 'कुर्सी') यह शब्द कौन–सा है, यह न बताएँ। यह ऐसा शब्द होना चाहिए, जिसे कम से कम अधिकतर कक्षा जानती हो। अब कहें, 'बोलो मुझे क्या दिख रहा है? मुझे एक ऐसी चीज दिख रही है, जो शुरू होती है ... से, और इसके बाद पहले वर्ण की ध्वनि बोलें, उदाहरण के लिए 'p', 'd' या 'ch'। विद्यार्थियों को शब्द का अनुमान लगाना होगा। अनुमान लगाए जाने पर प्रत्येक शब्द के उच्चारण का अभ्यास करें। (This game can be used with any level. Choose a word for something that you can see in the classroom (e.g. 'pen', 'door', 'chair') Don't say which word it is. Don't say which word it is. Don't say which word it is. I see something beginning with … and then say the sound of the first letter, for example 'p', 'd' or 'ch'. Students must guess the words. Practise the pronunciation of each word as it is guessed.)

जब विद्यार्थी इस खेल से परिचित हो जाएँ, तो वे इसे समूहों में या जोड़ियों में खेल सकते हैं, या विद्यार्थी बारी–बारी से पूरी कक्षा के साथ इसे खेल सकते हैं। (When students are familiar with the game, they can play it in groups or pairs, or students can take turns to lead the class.)

### 'शब्द सीढ़ी' (Word Ladder)

विद्यार्थी इस गतिविधि के लिए अपनी पाठ्यपुस्तकें देख सकते हैं। यह खेल एक सूची में पहला शब्द लिखकर शुरू होता है, जैसे 'pen'। अगले खिलाडी या टीम को ऐसा शब्द बोलना होगा, जो पिछले शब्द की अंतिम ध्वनि से शुरू होता है; उदाहरण के लिए, 'nest'। खेल आगे बढ़ता जाता है और अगला खिलाडी या टीम फिर वह शब्द बोलते हैं, जो पिछले शब्द की अंतिम ध्वनि 't' से शुरू होता है, और यह क्रम

चलता जाता है। (Students can refer to their textbooks for this activity.) (Students can refer to their textbooks for this activity. The next player or team has to say a word that starts with the final sound of the previous word; for example, 'nest'. Further The next player or team has to say a word that starts with the final sound of the previous word; for example, 'nest'.)

## 'क्या यह एक समान है?' (Is it the Same?)

कक्षा को दो या ज्यादा टीमों में बाँटें। हाल ही के पाठों में से लगभग 12 शब्द चुनकर बोर्ड पर लिखें। एक शब्द की ओर संकेत करें (उदाहरण के लिए, 'page') और एक शब्द बोलें। आप जो शब्द बोलते हैं वह वही शब्द भी हो सकता है, जिसकी ओर आप संकेत कर रहे हैं या कुछ समानता वाला कोई अन्य शब्द भी हो सकता है (जैसे 'play' या 'plane')। कोई विद्यार्थी चुनें, जो उत्तर देगा कि 'यह एक समान है' या 'यह एक समान नहीं है', जो कि इस बात पर निर्भर होगा कि आप जिस शब्द की ओर संकेत कर रहे हैं, क्या यह वही शब्द है, जो आपने बोला है। सही उत्तर देने पर टीम को एक पॉइंट मिलेगा। अब दूसरी टीम के किसी विद्यार्थी से पूछें। (Divide the class into two or more teams. Divide the class into two or more teams. Point to one word (for example, 'page') and say a word. The word you say can be the word you are pointing at or another word with some similarities (such as 'play' or 'plane) Choose a student, who must then say 'It is the same' or 'It is not the same', depending on whether the word you've pointed to is the same as the word you've said. A correct answer wins one point for the team. Now ask a student on the other team.)

इस तरह जारी रखें। कुछ समय बाद, शब्दों के इस पहले समूह को ब्लैकबोर्ड से मिटा दें, और शब्दों का एक नया समूह लिखकर गतिविधि को दोहराएँ। आवश्यकतानुसार यह दोहराते रहें और बोर्ड पर स्कोर रहने दें। (Continue in this way. After a while, wipe the first group of words off the board, and write up another group of words and repeat. Repeat again as required, keeping the scores on the board.)

## 'शब्द पेंट करें' ('Paint the Word')

छोटी कक्षा के विद्यार्थियों के लिए, यह खेल वर्णमाला के एक वर्ण के साथ उपयोग किया जा सकता है। बड़ी कक्षा के विद्यार्थियों के लिए, इस गतिविधि का उपयोग शब्दों के साथ किया जा सकता है। (For young students, this game can be used with single letters of the alphabet. For more advanced students, the activity can be used with words.)

हाल ही के अध्यायों और/या वर्तमान अध्याय के किसी वर्ण या शब्द को पेंट करने का अभिनय करें, मानों आपने अपने सिर से जितना ऊपर संभव हो, एक पेंट ब्रश पकड़ा हुआ है। इस बात का ध्यान रखें कि आपका मुँह विद्यार्थियों की विपरीत दिशा में हो, जैसे कि आप ब्लैकबोर्ड पर लिखते हैं, अन्यथा विद्यार्थियों के नज़रिए से आपका लेखन उल्टा दिखेगा। पूछें कि कौन वर्ण या शब्द का अनुमान लगा सकता है। सही अनुमान लगाने वाला पहला विद्यार्थी जीत जाएगा और पुरस्कार के रूप में पूरी कक्षा द्वारा तालियाँ बजाकर उसका अभिनंदन किया जाएगा। आगे के वर्णों या शब्दों के साथ यह खेल जारी रखें और फिर विद्यार्थियों से कहें कि वे बारी–बारी आकर खुद वर्णों या शब्दों को पेंट करने का अभिनय करें। (Mime painting a letter or word from recent lessons and/or the current lesson, using big, bold strokes, as if holding a paint brush as high above your head as you can. Blackboard Remember to face away from the students, as if you are writing on the blackboard, or your writing will be back to front from the students' point of view! Remember to face away from the students, as if you are writing on the blackboard, or your writing will be back to front from the students' point of view! The first student to guess correctly wins a round of applause from the rest of the class. Continue with further letters or words, and then ask the students to take turns to mime painting the letters and words themselves.)

## 'शब्द पहचानें' (Guess the Word)

हाल के पाठों से या वर्तमान पाठ से कोई शब्द बोर्ड पर लिखना शुरू करें। पहले दो वर्ण लिख लेने पर विद्यार्थियों से यह अनुमान लगाने को कहें कि यह कौन–सा शब्द है। यदि किसी का जवाब सही नहीं है, तो तीसरा वर्ण जोड़ें और ऐसा तब तक जारी रखें, जब तक कोई न कोई विद्यार्थी सही जवाब न दे दे। यदि आप चाहें, तो सही अनुमान लगाने वाले पहले विद्यार्थी से कह सकते हैं कि वह बोर्ड के पास आए और लिखने का काम करे (हालांकि, इसमें आपकी सहायता की ज़रुरत हो सकती है)। (Start writing a word from recent lessons or the current lesson on the board. When you have written the first two letters, invite guesses about the word. If nobody is correct, add a third letter, and so on, until somebody guesses the word correctly. If you wish,

the first student to guess the word can come to the board, and take over the role of writing (you may need to help with this, however))

### 'बैठ जाओ!' (Sit Down)

यह गतिविधि किसी भी वर्ण या वर्णों की जोड़ी का उपयोग करके किसी भी स्तर पर उपयोग की जा सकती है। नीचे दिया गया उदाहरण 'sh' का उपयोग करता है। (This activity can be used with any level and using any letter or pair of letters. The example below uses 'sh'.)

बोर्ड पर वर्ण 'श' लिखें। सभी विद्यार्थी खड़े रहेंगे। वर्तमान या पिछले पाठों से कोई शब्द बोलें। यदि इसमें 'sh' है, तो विद्यार्थियों को बैठ जाना चाहिए; यदि नहीं है, तो वे खड़े ही रहेंगे। यदि आपकी कक्षा में बार–बार खड़े होना या बैठना कठिन हो सकता है, तो विद्यार्थी इसके बजाय अपने हाथ ऊपर और नीचे कर सकते हैं। किसी पाठ में शारीरिक रूप से उत्तर देना कुछ सीखने का एक मज़ेदार और यादगार तरीका हो सकता है। (Write the letters 'sh' on the board. Everybody must stand. Say a word from the current and previous lessons. If it contains 'sh', the students must sit down; if not, they remain standing. If it contains 'sh', the students must sit down; if not, they remain standing. If it contains 'sh', the students must sit down; if not, they remain standing.)

### 'वर्णमाला बोर्ड खेल' ('Alphabet Board Game')

यह खेल समूहों के लिए है और यह अधिक प्रगत शिक्षार्थियों के लिए है, जो दूसरी कक्षा और उससे आगे की कक्षाओं में हों, जिन्हें वर्णों के नाम और साथ ही उनकी ध्वनियों का परिचय दिया गया हो। आपको संसाधन तैयार करने होंगे। (This is a game for groups and it is appropriate for more advanced learners, from Class II onwards, who have been introduced to the names of letters, as well as their sounds. You will need to prepare the resources.)

कार्डबोर्ड के एक बड़े टुकड़े पर, वर्णमाला के वर्णों को एक क्रम में लिखें, प्रत्येक समूह के लिए एक बोर्ड खेल तैयार करें। विद्यार्थियों को प्रत्येक समूह के लिए एक पांसा दें। वे पांसा फेंककर एक संख्या (number) लाते हैं और उपयुक्त वर्ण पर जाते हैं। जब वे किसी वर्ण पर पहुँचते हैं, तो उन्हें उस वर्ण का नाम, उसकी ध्वनि और साथ ही उस वर्ण से शुरू होने वाला एक शब्द भी बोलना चाहिए। (On a large piece of cardboard, write out the letters of the alphabet in sequence, preparing one board game per group. Give the students a die per group. They roll a number and move to the appropriate letter. When they land on a letter, they must say the name of the letter, its sound, and also a word that starts with that letter.)

## अतिरिक्त संसाधन

- Karadi Tales: http://www.karaditales.com/
- National Book Trust India: http://www.nbtindia.gov.in/
- NCERT textbooks: http://www.ncert.nic.in/NCERTS/textbook/textbook.htm
- Teachers of India classroom resources: http://www.teachersofindia.org/en
- Phonic stories, RV VSEI Resource Centre: http://www.rvec.in/

## संदर्भ/संदर्भग्रंथ सूची

Bromley, H. (2000) *Book-based Reading Games*. London: Centre for Literacy in Primary Education.

Bryant, P. and Nunes, T (eds) (2004) *Handbook of Children's Literacy*. Dordrecht: Kluwer Academic Publishers.

Dombey, H. and Moustafa, M. (1998) *Whole to Part Phonics: How Children Learn to Read and Spell*. London: Centre for Literacy in Primary Education.

Goswami U. (2010a) 'Phonology, reading and reading difficulties', in Hall, K., Goswami, U., Harrison, C., Ellis, S. and Soler, J. (eds) *Interdisciplinary Perspectives on Learning to Read*. London: Routledge.

Goswami U. (2010b) 'A psycholinguistic grain size view of reading acquisition across languages', in Brunswick, N., McDougall, S. and Mornay-Davies, P. (eds) *The Role of Orthographies in Reading and Spelling*. Hove: Psychology Press.

Graham, J. and Kelly, A. (2012) *Reading under Control: Teaching Reading in the Primary School*, 3rd edn. London: Routledge.

Hall, K., Goswami, U., Harrison, C., Ellis, S. and Soler, J. (eds) (2010) *Interdisciplinary Perspectives on Learning to Read: Culture, Cognition and Pedagogy*. London: Routledge.

## अभिस्वीकृतियाँ

यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन–शेयरएलाइक लाइसेंस (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/) के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है, जब तक कि अन्यथा निर्धारित न किया गया हो। यह लाइसेंस TESS-India, OU और UKAID लोगो के उपयोग को वर्जित करता है, जिनका उपयोग केवल TESS-India परियोजना के भीतर अपरिवर्तित रूप से किया जा सकता है।

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन अध्यापक शिक्षकों, मुख्याध्यापकों, अध्यापकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।